

अब जब की रऊआ नया जन्मल हई



Chris Oyakhilome, D.Sc., D.D

अब जब की रऊआ नया जन्मल हई

Chris Oyakhilome, D.Sc., D.D

ए खंड में सब वचन उदाहरण बाइबल के किंग जेम्स अनुवाद से लिहल गइल
हव, यदि अइसन ना हव त बता दिहल गइल हव।

चउथा प्रकाशन २००६

आइ एस बी एन १७८-३४६५८-७-२

प्रकाशक:- लववर्ल्ड प्रकाशन सेवकाई

कॉपी राईट २००६

email: info@loveworldbooks.org

website: www.loveworldbooks.org

लववर्ल्ड पब्लिशिंग मिनिसट्री के लगे सब अधिकार आरक्षित। बी एल डब्ल्यू इकॉर्पोरेटेड के
लिखित के बिना पूरा या आंशिक पूनः उत्पादन गैर कानूनी हव।

विषय सूचा

१. वास्तविक रऊआ ७६
२. रऊआ एक नई सृष्टि हई ११
३. रऊआ के लगे परमेश्वर क जीवन आउर स्वभाव हव! १३
४. रऊआ परमेश्वर क सत्यनिष्ठा हई १७
५. रऊआ निर्दोष हई! १८
६. रऊआ पवित्र हई! २१
७. रऊआ छुड़ावल गइल हई! २३
८. परमेश्वर क आत्मा रऊआ में रहत हव! २५
९. जब गलत विचार रऊआ के दिमाग में आवत हव तब रऊआ का करण? २७
१०. जब पूराना दोस्त रऊआ के निरुत्साहीत करे के कोशिश करत हव तब रऊआ कारत हई? ३५
११. जब सताव आउर परेशानी आवत हव तब रऊआ का करत हई? ४१
१२. पवित्र आत्मा आउर रऊआ! ४७
१३. का रऊआ के चर्च में जरूर जाये के चाहि?

हे प्रियो,

अनंत उद्धार के मुफ्त उपहार के खातिर बधाई, जेके रऊआ यीशु मसीह के अपने प्रभु आउर उद्धारकर्ता के रुप में स्वीकार करे से गरहन कइनी।

हम रऊआ से ओ सच्चाईयन के बाटल चाहत हाई जवन की मसीह विश्वास के खातिर मूलभूत हव; सच्चाईयन जऊने पे रऊआ मसीह में एक मजबूत आउर जोशपूर्ण जीवन बना सकत हाई। मेहनती रुप से ए सामग्री क अध्ययन करि आउर इ रऊआ के खातिर एक अनंत फसल उत्पन्न करी।

हम प्रार्थना करत हाई कि परमेश्वर रऊआ के अपने ज्ञान में वृद्धि आउर प्रकटि करण क आत्मा दे; कि रऊआ क समझ क आँख इ समझे के खातिर प्रकाशन होवे कि उ

आशा केतनी बड़ी हव जेकरे खातिर उ रऊआ के बोलवले हव; आउर तू ओ सब वस्तुअन के जाना जवन मसीह में तोहके मुफ्त रुप रुप से दिहल गइल हव, आमीन।

इ सामग्री रऊआ क सहायता करी मसीह में आपन नया जीवन शुरुआत करे में। जइसही रऊआ एकर अध्ययन करत हई, वइसही अपने बाइबल में देखी आउर खुद ही वचन क अध्ययन करि।

हम विश्वास करत हाई कि ऐ मे संग्रहीत वचन रऊआ के जीवन

के बदल देई आउर परमेश्वर के वचन के सिद्धांत के अनुसार रऊआ के भविष्य के आकार देवे में सहायता करि।

परमेश्वर रऊआ के महान रूप से आशीष देवे, यीशु के नाम में। आमीन।

पास्टर क्रिस औयाखिलोम

१-वास्तविक रऊआ

रऊआ ओ शरीर से कही अधिक हई जवन रऊआ देखत हाई। रऊआ ओ खोज से कही अधिक हाई जेमे रऊआ क इंद्रियन (रऊआ के देखे, सुने, स्वाद आऊर खुशबू क इंद्रियान) रहत हव। रऊआ के अंदर उहा कुछ हव, सही में, कउनो रऊआ के शरीर से कही अधिक हव। इह रऊआ के मानवीय आत्मा हव, आऊर उह सच्चाई रऊआ हई।

इह आरंभिक मनुष्य हव जेके बाइबल (१ पतरस ३:४) में परिभाषित करत हव, “वरन एके तोहरे हृदय के छियल आउर गुप्त मनुष्यत्व होवे दा, नम्रता आउर मन के दिनता क अविनाशी मनुष्य...!”

झब एक मनुष्य क शरीर मरत हव, तब ओकर आत्मा

जीयत रहत हव । उ अब हीन ओतनही मानवीय व्यक्ति हव जेतना उ रऊआ के मरे के पहिले रहल, उ कुछु ना खोऊले हव एकरे अलावा की उ भौतिक विश्व में काम करे के योग्यता खो चुकल हव । हो सकत हव की रऊआ क शरीर मरल हव पर सच्चाई व्यक्ति आत्मीक व्यक्ति, अब तक ओकरे लगे उ सब चेतना हव जवन ओकरे लगे ओके मरले पहिले रहल ।

यीशु मसीह लूका के १६ अध्याय में दू आदमी जवन मर गइल रहल ओकरे विषय में एक कहानी बतउल । ओमे लाजर नाम क एक भीखारी रहल । धीयान देवे वाली बात इ ना रहल की उ एक भिखारी रहल, पर इह की जब उ गरीब रहल, तबो भी ओकरे लगे एक सत्यनिष्ठ हृदय रहल । जब नु मर गइल तब उ अब्राहम के गोदी में लिया बाइल रहन । दुसरका आदमी भी मर गइल रहल । उ आदमी विश्व में अमीर आदमी रहल, पर उ एक सत्यनिष्ठ जीवन ना जीयल रहल ।

धीयान देई जब उ मरल, तब ओकर शरीर पृथ्वी पे गाडल गइल रहल, पर यीशु कहन की नरक में, उ अपने आँख के उठउल आउर देखल लाजर अब्राहम के गोदी में रहल आउर उ लाजर के । पहिचनल । एकर अर्य हव की उ अब ही नो देख सकत रहल । तब उ अब्राहम के बोलऊल आउर कहल, “कृपया हमार सहायता करा ।”

रऊआ देखनी, उ अबहीनो बात कर सकत रहल । अब्राहम

ओके उत्तर देहन आउर उ अब्राहम क अवाज सुनल समझावे के खातिर की उ तब भी सुन सकत रहल।

अमीर आदमी इहो भी कहल की उ पीयासल रहल, आउर ना खाली उ पीयासल रहल, उ तकलीफ में रहल। एही से उ भीख मंगल, “कृपया लाजर के आवे दा आउर हमार पीयास बुझावे के खातिर हमके यानी क एक बूंद के लियावे दा।” उहां ये अबहीनो एक दुसर बिंदु हव धीयान देवे के खातिर उ अबहीन भी महसुस कर सकत रहल।

ओकर सब इंद्रियन अबहीनो वइसही काम करत रहल। सही में, इहाँ तक कि उ वस्तुअन के याद कर सकत रहल काहेकि उ कहल, “कृपया मरले में से के हु के हमरे भाईयन के जाके सुसमाचार सुनावे के खातिर भेजा।” पृथ्वी ये ओकरे पाँच भाई रहन, एही से उ सोबत, “हो सकत हव अगर मरले में से के हूँ उनके लागे जाई, तब उ उनये विश्वास करिह।” ओके ओकर भाई याद रहन!

इ रऊआ के बतावत हव की आत्मा जीयत रहत हव। आउर जब एक मनुष्य नया जन्मल हव, इह रऊआ के मानवीय आत्मा हव जवन नया जन्मल हव!

२कुरिंथियो ५:१७-१८ कहत हव

“एहिसे अगर कऊनो मसीह हव, त उ नई सृष्टि हव पूरन की
बतीया वीत गइल हव, देखा, सब बतीया नई वन गइल हव।
इ सब बात परमेश्वर के ओरि हव, जे मसीह ऐ अपने साथे
हमनी के मेल मिलाप कर लिहने उ मेल मिलाप क वचन हमनी
के सऊप दिहन।”

२-रऊआ एक नई सृष्टि हई

अब जब कि रऊआ अपने जीवन के यीशु मसीह के दे दिहले हई आउर उनके अपने जीवन क प्रभु बना लिहले हई, अब रऊआ उ ना रही गइनी जवन रऊआ रहनी। शायद रऊआ अबहीन भी बाहरे से ओही तरह से दिखाई देत हई, पर अंदर से, रऊआ बिल्कुल नया व्यक्ति हई इह उ हव जवन बाइबल कहत हव। रऊआ एक “नई सृष्टि के जइसे” ना हई पर एक “नई सृष्टि हाई” अस्तित्व के एक नई प्रजाति जवन पहिले कबहुं भी अस्तित्व में ना रहल (२कुरिंथियो ५:१७)।

रऊआ सुधारल गइल फिर से चमकावल गइल, फिर से बनावले गइल ना हई, रऊआ एक नई सृष्टि हई - बिल्कुल

ही नया व्यक्ति। अगर तथ्य हव की रऊआ अंदर से एक नई सृष्टि हई, एकर अर्थ ना हव की बाहरी रुप से, रऊआ अलग दिखाई देव। अगर रऊआ

के नया जन्मले ऐ पहिले रऊआ के बार बारिक कहल रहल, त इस्टाईल बारीक ही कटल रही रऊआ के।

लगे अबहीनो उह नोकरी, परिवार आउर पड़ोसी होइह।

पर बिंदू इ हव कि, अब रऊआ के संस्कार बदल चुकल हव। रऊआ के लगे संस्कारन क एक नया समूह हव काहेकि रऊआ अंदर से एक नया व्यक्ति हई।

३-रऊआ के लगे परमेश्वर क स्वभाव आउर जीवन हव !

त्रया जन्मल होवे के कारन परमेश्वर रऊआ के उनकर संतान होवे के सामर्थ दिहले हव (यूहन्ना १ : १ २) । परमेश्वर क स्वभाव रऊआ के मानवीय आत्मा में डालल जा चुकल हव ।

अब रऊआ के लगे एक नया जीवन हव, परमेश्वर क जीवन जेके यीशु मसीह हर ओकरे खातिर उपलब्ध बनावत हव जे उनमे विश्वास करत हव । केतना सुविधाजनक । एहिसे रऊआ परमेश्वर के स्वभाव के एक सहभागी हई (२पतरस १ : ३-४) ।

परमेश्वर अब रऊआ क पिता हव । कइसे ? जनम से स्वभाव फिर पैदा होत हव, इह कारन हव की एक कुत्ता के ही जनम देई । आउर यूहन्ना १ : १ २-१ ३ कहत हव, “परंतु जेतना लोग उनके गरहन कइल, उ उनके परमेश्वर क संतान होवे के अधिकार दिहन, मतलब ओके जे उनके नाम में विश्वास ।”

रखत हव। उ न त लहू से, न शरीर के इच्छा सा से, न मनुष्य के इच्छा से, पर परमेश्वर के इच्छा से उत्पन्न भइल हव।”

परमेश्वर के लगे रऊआ के प्रति भाई बाप क भावना हव। रऊआ उनके परिवार क एक सदस्य हई आउर एहिसे उ स्वर्ग क रहिवासी जहाँ उ रहत हव।

परमेश्वर रऊआ के खातिर उत्तरदायि हव। उ मसीह में उनके महिमामय धन के अनुसार रऊआ के सब जरूरतन के सप्लाई करिहूँ (फिलिप्पियो ४:१६)। उनके लगे रऊआ के जीवन के खातिर एक अच्छी योजना हव, जेकर शुरुआत तब भइल जब रऊआ नया जनमल रहनी। रऊआ एक मी परमेश्वर क एक प्रेमी संतान हई आउर रऊआ एक प्रेमी परिवार में जोनमल हई। इ बहुत ही महत्वपूर्ण हव। उनके राज्य क एक सदस्य बने के खातिर उ रऊआ के इह नया जीवन दिहल।

बायबल घोषणा करत हव कि परमेश्वर रऊआ के अनंत जीवन दिहले हव। इ उ जीवन हव जवन परमेश्वर अंदर हव जवन उनके खातिर उ बने में संभव बनावत हव जवन उ हव। इ परमेश्वर सरीखा जीवन हव। इ जीवन कब्र के खातिर यीशु मसीह के पकड़ के रखल असंभव बना दिहल। इ पूनरुत्थानी जीवन हव आउर इ जीवन अब रऊआ के अंदर हव।

“आउर इ गवाही हव की परमेश्वर हमनी के अनंत जीवन दिहे हव आउर इ जीवन उनके पुत्र में हव। जेकरे लगे पुत्र हव ओकरे लगे जीवन हव आउर जेकरे लगे पुत्र ना ओकर लगे जीवनो ना हव। हम तोहके, जे परमेश्वर के पुत्र के नाम ये विश्वास करत हवा, एसे लिखते हई कि तू जाना की अनंत जीवन तोहार हव, आउर तू परमेश्वर के पुत्र पे विश्वास करत रहा” (१ यूहन्ना

५:११-१३)।

खाली ओहि व्यक्ति के लगे इ जीवन हव जेकरे लगे पुत्र हव काहेकि इ जीवन सही में परमेश्वर के पुत्र में निहित हव। जब रऊआ उनके गरहन कइले रहनी रऊआ इ जीवन गरहन कइले रहनी।

इ जीवन रऊआ के कऊनो भी स्थिती से हरावल जाय असंभव बनावत हव। इ रऊआ के हर दम उपर रखत हव। खाली एकरे बारे में सोची। इ परमेश्वर खातिर असंभव हव की उ नष्ट कइल जाय या हरावल जाय। अब रऊआ के लगे उनकर जीवन हव, रऊआ नष्ट या हरावल ना जा सकत हाई काहेकि उह आत्मा जे यीशु के मरले में से जीयउत रऊआ में रहत हव (रोमियो ८:११)।

४-रऊआ परमेश्वर क सत्यनिष्ठा हाई।

२कुरिंथियो ५:२१ कहत हव, “जे रऊआ से अज्ञात रहल, उ ओहि के हमनी के खातीर पाप ठहरउन की हमने उनही मे होके परमेश्वर के सत्यनिष्ठा बन जाई।”

सोची कि परमेश्वर करत हव जेके रऊआ कहि सकत हाई कि “नेचर ट्रान्सहलान्ह।” उ हमनी के खातिर यीशु के पाप (अथ हव, पाप बलिदान) वन उन ताकि हमने उनमे परमेश्वर के सत्यनिष्ठा वन जाई।

इह हव जवन यीशु के रऊआ के स्थान पे एक पापी क मउत मर संभव बनउल। परिणाम इ हव की अब रऊआ परमेश्वर के सामने बिना अपराधी बोध डर या तिरस्कार के भावन से खड़ा रही सकत हई (इब्रानियो १०:१८, रोमियो ५:१)।

५-रऊआ निर्दोष हई!

निर्दोष होवे क का अर्थ हव ? एकर अर्थ हव “बाइज्जत बरी” एहि से विश्वास से निर्दोष ठहरले से हमनी के लगे हमनी के यीशु मसीह से परमेश्वर के साथे शांति हव (रोमियो ५:१)। रऊआ निर्दोष ठहरावल जा चुकल हई।

जब यीशु क्रूस पे मरन त उ रऊआ के पाप के खातिर दंड के ले हिन जब कि उ कउनो भी पाप क अपराधी ना रहन (१ पतरस २:२२)। इह कारन हव की परमेश्वर रऊआ के विरुध रऊआ के पाप के पकड़ के ना रखले हव। बायबल कहत हव,

“मतलब परमेश्वर मसीह में होके अपने सार्थ संसार क मेल मिलाप कर लिहन आउर उनके अपराधन क दोष उनके पे ना लगउन आउर उ मेल मिलाप क वचन हमनी के सौंप दिहले हव” (२कुरिंथियो ५:१८)।

६-रऊआ शुद्ध कइल गइल हई!

आई एक क्षण के खातीर कल्पना करि की रऊआ एक कीचड़ में गिर गइनी, रऊआ बहुत गंदा हो गइल रहनी आउर केहू रास्ता में आइल आउर रऊआ के बचउल अर्थ हव कि, “रऊआ के किचड से बहरे निकरल।” आगे क काम जवन रऊआ के करे के हव उ हव रऊआ के खुद के पूरा तरह से साफ करल। दुसरे शब्द में रऊआ में से किचड के बहरे निकारल आउर इ समय आउर प्रयत्न लेत हव।

१कुरिंथियो ६:११ कहत हव, “पर तू प्रभु यीशु मसीह के नाम से आउर हम ने के परमेश्वर के आत्मा से थोव गइल, पवित्र भइल आउर निर्दोष ठहरल हवा।”

शुद्धिकरण दू तरह क काम हव; पहिला, परमेश्वर रऊआ के किचड में

से बहेर निकालत हव ओकर अर्थ हव रऊआ नया जनमल हाई आउर तुरंत ही बायबल रऊआ के शुद्ध घोषित करत हव विश्व से परमेश्वर के खातिर अलग कइल गइल। तब रऊआ के जरूर से किचड के रऊआ में से बहरे निकारे के चाहिए परमेश्वर के वचन से अपने दिमाग के एक साफ करे वाली (नया बनावे वाली) प्रक्रिया के अधीन करे से (रोमियो १२:२)।

रऊआ के दिमाग क बदलत एक निरंतर प्रक्रिया

हव। रऊआ क दिमाग एक तरिका से सोचेके खातिर प्रशिक्षित कइल गइल रहल, भरोसा कइले के पहिलही वस्तुअन के भौतिक रुप से देखावे के खातिर। अब रऊआ के दिमाग के बदल जाये से रऊआ अपने दिमाग के वस्तुअन के परमेश्वर के तरिका से देखे के खातिर देत हई। रऊआ अपने दिमाग के परमेश्वर के तरिको से देखे के खातीर फिर सीखावत हई। तब रऊआ परमेश्वर वचनन के परमेश्वर के तरिका से कहब आउर ओ परिणामन पाइब जवन उ उनके वचनन से पावत हव।

७-रऊआ छुड़ावल गइल हाई!

“आउर पिता क धन्यवाद करत रहा, जे हमनी के ए योग्य बनउल की ज्योति में पवित्र लोगन के साथे मीरास में सहभागी होई। उह हमने के अंधकार के वश से छोड़ा के अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश करऊन” (कुलुस्सियो १:१२-१३)।

आपन जीवन यीशु के देवे के क्षण से रऊआ परमेश्वर के राज्य के एक सदस्य बन गइल रहनी। नरक से निकारल कउनो शैतान अब रऊआ के चोह ना पहुँचा सकत। रऊआ हर ओ वाचा से मुक्त हई जेम्मे रऊआ के कबहु भी रऊआ के बान्ह के रखल रहल। काहे? काहेकि रऊआ अंधकार के ताकतन से छुड़ावल जा चुकल हई!

बायबल कहत हव कि परमेश्वर रऊआ के अंधकार के नियंत्रण आउर प्रभुता से छोडउन आउर उनके राज्य में लिया दिहन। रऊआ के कबहु भी घबराये के ना हव। परमेश्वर रऊआ के चरवाहा हव आउर उनके सुरक्षा क आंख हरदम रऊआ के उयर बनल रही (भजनसंहिता २३:१)।

बाइबल कहत हव: “अगर पुत्र रऊआ के मुक्त कइले हवे, तब रऊआ सही में मुक्त हई” (यूहन्ना ८:३६)। परमेश्वर रऊआ के उनके राज्य में छुड़ा के ले आइल हव। ओहि ये रऊआ अब्राहीन हई, ओहि पे हई। अंधकार के ताकत से रऊआ पहिलही छुड़ावल जा चुकल हई। धीयान देई की इह भूत काल में हव रऊआ अंधेरे के ताकत से पहिलही छोड़ावल जा चुकल हई।

८-परमेश्वर क आत्मा रऊआ में रहत हव !

ए नया जीवन क दुसर महान भग इ हव कि परमेश्वर क आत्मा रऊआ में रहे खातिर आवत हव। जब परमेश्वर क आत्मा रऊआ में निवास ले लेत हव उह रऊआ के परमेश्वर के वचन में प्रकाशित करत हव आउर रऊआ के वचन क नई समझ देत हव।

सहिसे अब जब रऊआ बाइब क अध्ययन करत हई, रऊआ के लगे रऊआ क खूद के आत्मा में एक नई समझ होत हव, इ रऊआ के जीवन में काम लायक बन जात हव।

दुसर वस्तु जवन पवित्र आत्मा करत हव उ रऊआ के वचन के याद दिलावत हव (यूहन्ना १४:२६)। एकरे अलावा यीशु मसीह के सुसमाचार क एक प्रभावी गवाह बने के खातिर उ रऊआ के सामर्थ देत हव।

“पर जब पवित्र आत्मा तोहरे पे आई तब तू

सामर्थ पइबा आउर यरुशलेम आउर सब यहूदियन
आउर सामरियन में, आउर पृथ्वी के छोर तक हमार
गवाह होइह” (प्रेरितो के काम १:८)।

९-रऊआ का करत हई जब....

गलत विचार रऊआ के दिमाग में आवत हव ?

त्रया जन्मल रऊआ के टेम्पटेड होवे से ना रोक त हव पर रऊआ के जरूर ही टेम्पटेशन के स्वीकार ना करे के चाहि। बाइबल सीखावत हव कि जब कबहु भी हमने जायल जात है, तब परमेश्वर हरदम बचे के एक रास्ता खो देत हव (१ कुरिंथियो १०:१३)। एहि से जब गलत विचार रऊआ के दिमाग में आवत हव, रऊआ के जरूरी से!

(१) याद रखे के हव कि रऊआ एक नई सृष्टि हई

इ विचार रऊआ के लगे एक बाहरी बल के रूप में आवत हव, शैतान के ओर से एक तरह क टेम्पटेशन। रऊआ ओके अपने दिमाग में बनावत ना हाई, विशेष रूप से अब जब कि रऊआ नया जनमल हाई। बाइबल कहत हव

कि हमरे (नया जनमल विश्वासी) लगे मसीह क दिमाग हव (१ कुरिंथियो २:१६) रऊआ के जरूरी से याद रखे के हव कि अब रऊआ के हाई, एक नई सृष्टि ! परमेश्वर हरदम चाहत हव की रऊआ याद रखी कि हमने नई सृष्टि हाई आउर उ हमनी के नया जीवन दिहले हव। इह उ नया जीवन हव जेमे रऊआ के भरोसा करे के हव।

(२) आज्ञा पालन में चली

परमेश्वर क आज्ञा मानी ! चला मान लेत हाई कि एक बुरी आदत क विचार रऊआ के लगे आवत हव। रऊआ के ऊपर ओ वस्तु के करे के बहुत जादा दबाव हव इहा तक कि रऊआ शायद गलत काम के शुरुआती स्तर तक जाई। पर ठिक उहाँ

पे, जब रउआ के याद आवत हव कि रउआ नया जनमल हाई, एक नया व्यक्ति, रउआ के लगे अचानक से एके झटक देवे के निर्भिकता आउर धैर्य आ जात हव।

परमेश्वर क आज्ञा मानी। रउआ देख सकत हई कि, नया जनमल होवे क इ अर्थ ना हव की गलत विचार रउआ के लगे ना आवत हव पर बिंदु इ हव कि रउआ के ओके रउआ ये पकड़ ना बनावे देवे के चाहि। ओके अस्वीकार कर देई। केहू सही कहलै हव, “रउआ चिरई के रउआ के कपार के ऊपर उड़े से रोक ना सकत हाई, पर रउआ जरूर ही ओके उहां घोषला बनावे से

रोक सकत हई!”

रउआ शायद ए विचारन के रउआ के लगे आवे से रोक ना सकी, काहेकि उ बाहरी बल हव, पर रउआ ओके अपने में बसे से रोक सकत हई। अपने अंदर गलत विचार बसे मत देई, ओके रउआ के ऊपर प्रभुता मा वर्चस्व मत लेवे देई। रउआ ओके रोक सकत हई, ओकरे बजाय सही वस्तुअन ये सोचे से (फिलिप्पियो ४:८)।

कल्पना कीर की रउआ एक मंच पे कलाकार हई या प्रदर्शन करे वाला हई आउर रउआ के एक महिला क यात्र निभावे के रहल, जब कि रउआ सही में एक पुरुष हई, रउआ महिला के कपड़ा पहिनव आउर बार बनाइब आउर एक महिला के तरह काम करब आउर बात करब। पर अभिनय के आखिरी में रउआ ना भुलात हई की रउआ एक पुरुष हई। रउआ मंच से वापस आवत हई, आउरी ड्रेसिंग रूम में फिर जात हई, रउआ के सही कपड़ा पहिनत हई आउर रास्ता पे चल जात हई। जब रउआ सोमवार सबेरे काम करे निकरत हई, तब रउआ ना भुलात हई की रउआ सही में एक आदमी हई। रउआ ओकरे तरह से बात करत हई आउर ओकरे तरह से जीयत हई। रउआ के खातिर हंसी क पद होई कि रउआ काम पे फिन जाई एक महिला के तरह से बात करत आउर बर्ताव करत जउने तरह से रउआ ओ राती मंच पे अभिनय के समय कइनी।

उह वस्तु अब रउआ पे लागु होत हव। रउआ के नया जनमल होवे के पहिले रउआ गलत तरिका से काम कइनी पर अब रउआ के लगे एक नया जीवन हव। अब रउआ के उह नया जीवन जीये के चाहि। रउआ बहुत समय इ एक महिला क रोल निभावत हई आउर कुछ समय रउआ खुद के भुला गइनी आउर ओ तरह काम करे शुरु कर दिहनी। पर जब रउआ के दोहरउनी होरा आवत हव की रउआ रही में एक पुरुष हई आउर रउआ खुद के सही करत हाई। रउआ बुद्धिमान होत हई आउर कहत हई, “ओह हम महिला ना हई, हम मंच पै अभिनय ना करत हाई हमके सही बने के हव।” एह तरह से रउआ के एक बुरी आदत के रोके के चाहि। खुद से कहि “देखा हम नया जनमल हाई इह हमार सच्चाई स्वभाव हव!” आदस से अंतर ना पडत हव: जब रउआ के याद आवत हव (आउर रउआ के याद आई) रुका। खुद से कहा, “हम नया जनमल हाई! एके ठिक ओहि रोक दा!”

पाप के श्रृंखला के चलत मत रहे दा, आउर आउर ऐमे रउआ के साये सीमिलित अइसन केहू के भी इ कहे रो मत शरमाई की, “ओह माफ करा हम इ ना कर सकत हाई काहे कि हम नया जनमल हाई।” बुरी आदत से छुटकारा पा लेई ओके अच्छी आदत से बदले से। एके जानबूझ के करि। परमेश्वर के वचन से ईश्वरीय चरित्र के क्षण के खोजी आउर अभ्यास करे से ओमे खुद के प्रदर्शित करि।

(३) एक करे वाला बनी, वचन के करि!

परमेश्वर ना चाहत हव कि रउआ खाली सुने वाला बनी पर वचन के

करे वाला बनी।

“पर वचन पे चले वाला बनी, आउर खाली सुने वाला ही ना, जे खुद के धोखा देत हव काहेकि जे केहू वचन के सुने वाला होवे आउर ओपे चले वाला ना होवे, त उ ओ मनई के तरह हव जे आपन स्वभाविक मुंह शिशा में देखत हव। ऐसे की उ अपने आपके देखके चल जात हव आउर तुरंत भुला जात हव की हम कइसन रहनी” (याकूब २२:२४)।

रउआ वचन के करे वाला बन जात हाई जब रउआ के वचन याद आवत हव आउर रउआ ओ तरह से काम करत हाई। आउर रउआ एके हरदम याद रखब। उ ओमे से एक काम हव जवन पवित्र आत्मा रउआ में करत हव। यीशु कहन, “घर सहायक अर्थात पवित्र आत्मा जेके पिता हमरे नाम में भेजीह, उ तोहके सब बात सिखाई आउर जवन कुछ हम तोहसे कहले हाई उ सब तोहके याद कराई” (यूहन्ना १४:२६)।

परमेश्वर क धन्यवाद पवित्र आत्मा ठिक इहां ये हव, उ वचन याद रखे में हमने क सहायता करत हव। अब जब रउआ के वचन याद हव, रउआ के ऐसे जरूर काम करे के चाहि। याद करे के बारे में परेशान मत होई, पवित्र आत्मा एके बाद करइहं। पर रउआ के जरूरी से हरदम तइयार रहे के हव उनकर आज्ञा माने के खातिर जब उ ए सच्चाइसन के रउआ के दिमाग में ले आवत हव।

(४) याद रखी की पाप क रउआ के ऊपर प्रभुता ना होई

रउआ के एक वस्तु जरूर याद रखे के हव: गलत विचार के लगे रउआ के उपर वर्चस्व पाने के सामर्थ ना हव जब तक रउआ ओके न करे देई।

“पाप क रउआ के ऊपर प्रभुता ना होई...” (रोमियो ६:१४)। रउआ

के उपर पाप क स्वामीत्व ना होई।

एकर रउआ के उपर हाय ना होई, काहेकि रउआ नियम के अधीन ना हई पर अनुगह के। इह हव जवन बाइबल रउआ के बार में कहत हव।

परमेश्वर रउआ के पाप आउर अंधकार के ताकत से छोड़वले हव, आउर उनके राज्य में वापिस ले आइल हव: “आउर पिता क धन्यवाद करत रहा जे हमनी के ए योग्य बनवल कि ज्योति में पवित्र लोगन के साथे मिरास में सहभागी होई। उ हमनी के अंधकार के वंश से छोड़ाके अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश करउन” (कुलुस्सियो १:१२-१३)।

रआ अबहीन ओहि पे हई अब जबकि रउआ नया जनमल हई, आउर इह कारन हव कि अंधकार ताकतन क रउआ के ऊपर प्रबलता ना होई। उ रउआ के स्तर मे हव पर रउआ परमेश्वर के जीवन के स्तर में हई, जवन पाप के ऊपर बइठत हव। एहिसे रउआ देखत हई कि, ओकर रउआ पे प्रबलता ना हो सकेत हव।

कुलुस्सियो १:१८ कहत हव, “जेम्मे हमने के छुअकारा मतलब पाप क क्षमा प्राप्त होत हव, उनके लहू से।” यीशु मसीह में हमनी के लगे छुटकारा हव। इ हमनी के वर्तमान समय क अधिकार हव (इफिसियो २:५-६)। हमने एके पावे के कोशिष ना करत हई इ अबहीनो हमरे लगे हव। हमनी के वचन के ए चेतना के जरूर याद रखे के हव आउर एम्मे खुशी मनावे के हव।

१०-रउआ का करत हई जब...

पूराना मित्र रउआ के निरुत्साहीत करे के कोशिष करत हव ?

अब जबकि रउआ नया जनमल हाई, रउआ एक नया परिवार से हाई। रउआ बिलकुल भी रउआ के पूराना परिवार से ना हाई। एकर अर्थ ना हव की रउआ जरूर ही अपने पूराना मित्र आउर परिचितन के खेड़ देवे के चाहि था उनके अस्वीकार कर देवे के चाहि। रउआ के उनके खातिर एक ज्योति बने के हव। उ अबहीन अंधकार में हव काहेकि उनके लगे हृदय में यीशु मसीह ना हव। रउआ के जरूर याद रखे के हव की रउआ उनके खातिर परमेश्वर का ज्योति बन गइल हाई। उनके साथे सुसमाचार के बाँटी ताकि उहो यीशु के पीछे जा सके।

रउआ के का करे के चाहि जब उ रउआ के निरुत्साहीत करे के कोशिष करत हव ? बाइबल कहत हव कि आखिरी दिनन में, ठट्टा करे वाला अइहं जवन सब गलत वस्तु जेकरे बारे में उ सोच सकत हव, करिहं आउर सच्चाई

पे हंसी ह (२ पतरस ३:३-४)।

ठट्टा करे वाला उह हव जे रउआ के निरुत्साहीत त करे के कोशिष करत हव आउर रउआ के पूराना जीवन के ओर ले जात हव। जबकि रउआ के उनके साथे घुमल जरुर ही अस्वीकार करे के हव। मसीह के साथे रउआ के सहभागिता के रास्ता में उनके बर्ताव के खड़ा रहे से रोक देई। उनके साथे असमान रुप से बन्हल अस्वीकार कर देई। उनके सलाह के स्वीकार मत करि। ऐकरे बजाय परमेश्वर आउर उनके वचन के खातिर खड़ा रही।

११-असमान जुआ (संबंध)

खेती के शुरुआती दिनन में, एक किसान दू जानवर के बान्हत रहल, उदाहरण के खातिर दू गदहा या दू बैल, आउर ओके एक हल में जोड़त रहल। दू जानवर भूमि के जोतत रहन जइसे ही उ एक साथे घुमत रहन काहेकि उ एक साथे बान्हल रहन,

त दोनो जानवरन के समान दिशा में घुमे के रहल। जहां कहि पहिले वाला गइल, दूसर भी गइल। किसान ओके निर्देशित कइले रहल आउर ओके एक ही दिशा में जायेके रहत रहल जब तक उ ओ एक हल में रहल।

अब अगर उ दोनो गदहा रहन, त एक “समान जुआ” कहावत रहन। पर अगर एक गदहा आउर एक बैल रहल, त इ एक “असमान जुआ” कहावत रहल, (काहेकि उ समान प्रजाति के ना रहल)। अगर हमने केहू दूसरे के साथे एक साथे बान्हल जाई, त एक जरूर ही एक “समान जुआ” होवे के चाहि। उ हव एक मसीह आउर दूसर मसीह के सहभागिता में एक साथे चलल।

पर अगर एक मसीही आउर एक जवन मसीही ना हव सहभागिता में एक साथे हव, त उ असमान रुप से जोतल हव। आउर परमेश्वर कहत हव, “अविश्वासीयन के साथ असमान जुआ में मत जोता” (२कुरिंथियो ६:१४-१६)।

एहिसे रउआ देखत हाई, अगर रउआ एक अविश्वासी सहभागिता में हाई समान जीवन जीयत तब रउआ एक असमान जुआ में हाई, आउर इ गलत हव। परमेश्वर ना चाहत हव कि रउआ एक असमान जुआ में होई, एकरे बजाय

दूसरे मसीहन के साथे समान जुआ में जुड़ल होई, उनके साथे समान वस्तु करत। अविश्वासी रउआ क सर्वश्रेष्ठ मित्र ना हो सकत। एसे अंतर ना पडत हव कि एक व्यक्ति केतना सदाचारी हव, जवतक उ नया जनमल ना हव, उ रउआ क सर्वश्रेष्ठ मित्र ना हो सकत।

इ परमेश्वर के सामने असंभव आउर स्वीकार ना कइल जा सकेवाला हव काहेकि इ एक असामन जुआ हव। कउनो व्यक्ति क रउआ के जांचल कबहु भी परमेश्वर के जांचल के बराबर ना हो सकत।

एक बार परमेश्वर शमूएल के यिशै के घरे उनके पुत्रन में से एक के इस्त्राएल के राजा कै रुप में अभिषेक करे के खातिर भेजन (१ शमूएल १६:१-१३)। जब शमूएल यिशै के पहिले पुत्र एलिआब के देखन त शमूएल कहन, “जरूर ही परमेश्वर के सामने उनकर अभिषेक होई” काहेकि उ बड़ा,

लंबा आउर सुंदर रहन। पर परमेश्वर भविष्यद्वक्ता से बात कइन आउर कहन, “ओके अभिषिक्त मत करा, काहेकि हम एके नकार दिहले हाई।” तब उ कहन, “मनुष्य त बहरे क रूप देखत हव, पर यहोवा क दृष्टि मन पे रहत हव, आंतरिक मनुष्य।” एहिसे कउनो भी व्यक्ति क रउआ के जाँचल अधिकतम बाहरी दिखावा पे निर्भर हव का उ कहत हव, कइसे,

उ देखावत हव, उनके चले के तरिका...। ए पे आधारित होके रउआ सब प्रकार के रायन के बना सकत हाई, पर रउआ देखत हाई कि परमेश्वर आंतरिक पहिनावा के देखत हव।

एक व्यक्ति जवन नया जनमल ना हव ओकरे लगे परमेश्वर के साथे एक सही आत्मा ना हव। एक मात्र तरिका जेसे केहू परमेश्वर के साथे सही बन सकत हव उ नया जनमल होवे से हव। एक मात्र समय हव जब कउनो व्यक्ति रउआ क सर्वश्रेष्ठ मित्र बने के खातिर योग्यता प्राप्त करत हव। जब तक उ नया जनमल ना हव, उ रउआ क सर्वश्रेष्ठ मित्र ना हो सकत, उ परमेश्वर के स्तर से अइसन वने खातिर योग्य ना हव। अब जब रउआ नया जनमल हाई, रउआ क इच्छा परमेश्वर के खुश करे के होवे के चाहि, एहिसे रउआ के जरूर ही खुद के स्तरन के इस्तेमाल ना करे के चाहि। इ बहुत ही महत्वपूर्ण हव।

अपने हृदय के परमेश्वर के खुद के हृदय पे रखी आउर उ रउआ के आगे तक ले जइह (१ कुरिंथियो १०:१३)।

१२-रउआ का करि जब... सताव आउर क्लेश आवत हव ?

मरकुस ४:१-६ में, यीशु हमनी के बोवे वाले के दृष्टांत के बारे में बतउन। मनुष्य उनके बीज के बोवे के खातिर गइल आउर कुछ मार्ग के किनारे गिरल, कुछ पभरिली भूमि पे गिरल, कुछ झाड़ियन में गिरल आउर कुछ अच्छी भूमि पे गिरल। १६ वे आउर १७ वे वचन में बाइबल कहत हव, इ उनके तरह हव जवन पभरिली भूमि पे बोवल जात हव इ उ हव जवन वचन के सुन के तुरंत ही खुसी से गरहन कह लेत हव। पर अपने भीतर जड़ ना रखे के कारन उ थोड़े ही दिनन के खातिर रहल हव, एकरे बाद जब वचन के कारन उनये क्लेश या उपद्रव होत हव, त उ तुरंत ही ठोकर खात हव।

उ उनके बारे में बात करत हव जेकरे में अपने भीतर जड़ ना हव। उ कहत हव कि अगर अइसन लोग उत्सुकता से वचन के स्वीकार करत हव पर जब वचन के कारन क्लेश या सताव आवत हव त उ ठोकर खात हव।

इ बहुतन के साथे गइल हव।

यीशु इहां का कहत हव कि अइसन बहुत लोग हव जेकरे लगे सही में उनके खातिर गहिरा प्रेम ना हव। अनंत जीवन के वाचावन, खुशी आउर उत्तर आ चुकल प्रार्थनावन के कारन उ परमेश्वर के वचन के खातिर उत्साही हव पर उनके लगे सही में परमेश्वर के खातिर गहिरा प्रेम ना हव। एहीसे जब सताव आवत हव उ हार मान लेत रहव। इ दुःखद हव। जब सताव आउर क्लेश आवत हव रउआ के वचन के पीछे जायेके चाहि।

रउआ के लगे परमेश्वर के खातिर प्रेम जरुर होवे के चाहि।

परमेश्वर चाहत हव रउआ के लगे उनके खातिर एक गहिरा मजबूत प्रेम होवे। प्रेम घट आउर बढ़ सकत हव।

जेतना जादा रउआ उनके बारे में सोचन हाई उनके वचन के सुनब आउर प्रार्थना में उनके साथे सहभागिता करब, रउआ के लगे उनके खातिर महानतम प्रेम होई काहेकि प्रेम परिचय के साथे बढ़त हव। जेतना जादा रउआ परमेश्वर से परिचित हाई, ओतना जादा रउआ उनसे प्रेम करब। जेतना जादा रउआ उनकर वचन सुनत हाई ओतना ही जादा रउआ उनके खो जब आउर उनसे प्रेम करब आउर तब रउआ उनसे जादा गरहन करब।

जब रउआ के लगे परमेश्वर के खातिर इ मजबूत प्रेम होत हव त उनकर वचन रउआ के हृदय में जड पकड लेत हव जेसे रउआ जब कउनो स्थिती क सामना करत हाई, रउआ एसे संबंधित परमेश्वर के स्थान जानत हाई आउर रउआ तुरंत एकरे बाते में परमेश्वर क मत घोषित करत हाई।

बाइबल कहत हव कि जीवन आउर मृत्यु जीभ के वश में हव (नीतिवचन

१८:२०-२१) आउर हृदय के अधिकारी से मुंह बोलत हव (मत्ती १२:३४-३७)। जब रउआ अपने हृदय के परमेश्वर के वचन से भरत हाई, ऐसे अंतर ना पडत की स्थिती का हव, रउआ वस्तुअन के परमेश्वर के तरिका से देखब आउर उह कहब। आउर इह हो जाई।

(२) हार मत मानी!

जब परेशानी आवत हव रउआ के जरूरी से हार ना माने के चाहि। नया जनमल होवे क अर्थ इ ना हव की परेशानी ना आई, ना ही एकर अर्थ हव कि मुश्किलन ना आई। एक अर्थ हव की सब मुश्किल के सामने सब परेशानीयन के उपस्थिती में, परमेश्वर रउआ के बहरे निकरिह। जइसे की भजनसंहिता २३:५ में, “तू हमरे सतावे वाले के सामने हमरे खातिर मेज विछावत हवा” हो सकत हव रउआ ठिक अपने शत्रुअन के उपस्थिती में होई पर उ रउआ के नष्ट ना कर सकत!

परमेश्वर ना चाहत हव की रउआ हार मानी। रउआ के जरूरी से मजबूत खड़ा होवे के हव। ऐसे अंतर ना पडत हव की वस्तुअन केतनी कठिन था मुश्किल देखाई देत होई, कबहु हार मत मानी। परमेश्वर रउआ के बहरे निकरिह, एहि से निराश मत होवा। उनके प्रति वफादार बनत रहा आउर उ रउआ के कबहु भी निराश ना करिह या भूलइंह ना। रउआ जीवन के परिस्थितीयन में जीतब काहेकि उ रउआ के पराधीन बन जइंह।

यशायाह ५३:२ कहत हव की जब तू पानी में से ढाजरबा इ तोहके डुबाई ना आउर जब तू आग में से ढाजरबा त इ रउआ के जलाई ना। जब

रउआ यीशु मसीह के पीछे जात हई, त रउआ पूरा हृदय से उनकर सेवा करि।
चुनौतियन से कउनो अंतर ना पडत उनके पीछे जाई।

“पर यहोवा क धन्यवाद होवे जे हमरे प्रभु यीशु मसीह से हमनी के जयंवत करत हव। एहिसे हे हमरे प्रिय भाईयन दृढ आउर अटल रहा आउर प्रभु के काम में सर्वदा बढ़त जा, काहेकि इ जानत हवा की तोहार परिश्रम मसीह में व्यर्थ ना हव” (१ कुरिंथियो १५:५७-५८)।

“काहेकि जवन कुछ परमेश्वर से उत्पन्न भइल हव, उ संसार पे जय पावत हव आउर उ विजय जेसे संसार पे जय मिलत हव हमनी के विश्वास हव” (१ यूहन्ना ५:४)।

रउआ देखत हई की हमरे प्रभु यीशु मसीह से परमेश्वर हमनी के विजय देत हव, एही से हमनी हार ना सकत हई। १ यूहन्ना ५:४ क सावधानी पूर्वक अध्ययन करि, इह विजय के बारे में बात करत हव।

जे ए विश्व पे जय पावत हव, जवन की हमनी के विश्वास हव। विश्वास से जीई। रउआ एक विजई हई ना की एक हारले। रउआ एक विजयी जनमल रहनी काहेकि रउआ परमेश्वर से जनमल हई। रउआ परमेश्वर के संतान हई, उनके आत्मा से जनमल।

१३-पवित्र आत्मा आउर रउआ

नया जनम होवल मतलब परमेश्वर के आत्मा से जनम होवल (१कुरिंथियो १२:१३, यूहन्ना ३:५-८)। जब रउआ नया जनमल होत हाई, त पवित्र आत्मा रउआ के जीवन क एक महत्वपूर्ण भाग बन जात हव एहीसे रउआ के समझे के जरूरत हव कि उ के हव आउर अपने जीवन में उनके कामन के पहिचानी।

रउआ के जरूरी से समझे के चाहि कि उ रउआ के का देवे अइन, ताकि रउआ मसीह में उनो बहुतायत के जीवन क लाभ उठा पाई आउर उपहार के ग्रहण कर सकी (१कुरिंथियो १२:८-१०) आउर सामर्थ के (लूका २४:४१) (प्रेरित के काम १:४-८) जवन रउआ के खातिर उपलब्ध हव ओ से।

पवित्र आत्मा के हव ?

बाइबल के विभिन्न भागन में हमने पवित्र आत्मा के उल्लेख के यावत हई।

पूरा ना नीयम में, हमने ओके असाधारण काम के करे के खातिर सामर्थ आउर योग्यता के देत देखत हई (न्यायीयन १४:६, १८)।

नया नीयम में, हमने उनके यीशु के जनम, सेवकाई आउर जीवन में आउर भी अधिक महत्वपूर्ण देखत हई (लूका ५:१८)।

पवित्र आत्मा प्रेरितन के काम २:१-४ में भी यीशु के चेलन के जीवन में काम करत देखाई देत हव।

उह परमेश्वर हव। उह एक दैविय व्यक्ति हव आउर उह परमेश्वर के सिर क तीसरा व्यक्ति हव (यूहन्ना १४:१६-१७, यूहन्ना १५:२६)।

उ समय के पहिले अस्तित्व में रहन (उत्पत्ति १:२)।

उह परमेश्वर सामर्थ क प्रत्यक्षिकरण हव। दुसरे शब्द में उह परमेश्वर क भाग हव जवन कि पिता के बोललं हर शब्द के पूरा करत हव (उत्पत्ति १)।

उह प्रेम, सामर्थ आउर एक अच्छी दिमाग क आत्मा हव (२तीमुथियुस १:७)।

उह स्वतंत्र क आत्मा हव (२कुरिंथियो ३:१७)।

पवित्र आत्मा का ना हव ?

इहो भी धीयान देवे योग्य हव कि पवित्र आत्मा एक बल, हवा, तेल या कबुतर ना हव जबकि वचन से हमने ओके अइसन प्रतिक के रूप में देखत हई। उ “अन्यभाषा” ना हव जबकि उ बोले के खातिर शब्द देत हव। उ “सामर्थ” ना हव पर हमने के लगे परमेश्वर के सामर्थ के लीयावत हव। इ उ आत्मा ना जब दुवारा रउआ के डर के दासत्व में लियावत हव (रोमियो ८:१५), पर

स्वतंत्र में लियावत हव (२कुरिंथियो ३:१७)।

हमने के काहे पवित्र आत्मा क जरूरत हव ?

पवित्र आत्मा हमने के दैविय सामर्थ देत हव (प्रेरितो के काम १:८)। इ शब्द “सामर्थ” एक ग्रीक शब्द “ड्यूनामिश्” से अनुवादित कइल गइल हव जेकर सही में अर्थ “बदलाव के लियावे के खातिर क्रियाशिल योग्यता” हव जब पवित्र आत्मा हमने के अंतर रहे के खातिर आवत हव तब उ हमने के हमरे जीवन में आउर दुसरन के जीवन में बदलाव के लियावे के योग्यता देत हव।

उ हमने के सुसमाचार परचार करे के निर्भिकता देत हव (मत्ती २८:१८-२०, मरकुस १६:१५-१८)।

उ हमने के मार्गदर्शित आउर निर्देशित करत हव (यूहन्ना १६:१३, रोमियो १८:१४)।

उ हमने के शांति देत हव (यूहन्ना १४:१८, प्रेरितो के काम ८:३१)।

उ हमने के निर्देशित करत हव आउर हमने के सिखावत हव (यूहन्ना १४:२६, १कुरिंथियो २:११-१२)।

उ हमने के साथे चलत हव हमने के दैविय जीवन क एक भाग बन जात हव (यूहन्ना १४:१६)।

उ हमने के आत्मा के साथे गवाही देत हव की हमने परमेश्वर क संतान हई आउर एही से मसीह यीशु में उनके धन क सहभागी nF& (jesefce³ees 8ë16; FefHeÀefme³ees 3ë4)~

उ हमने के प्रेम मे परमेश्वर के लगे पहुँचे में स्वतंत्रता देत हव (रोमियो ८:१५, २कुरिंथियो ३:१७; २तीमुथियुस १:७)।

रउआ पवित्र आत्मा के साथे एक संबंध सकत हई

यूहन्ना १४:१६ में, यीशु कहत हव, “अर्थात सत्य क आत्मा जेके संसार गरहन ना केर सकत, काहेकि उ नत ओके देखत हव आउर नत ओके जानत हव; तू ओके जानत हवा, काहेकि उ तोहरे में होई।”

पवित्र आत्मा आत्मा के साथे एक संबंध रखल, रउआ के जीवन में उनके उपस्थिती के पहिचानल आउर उनके सेवकाई के मानल हव एहीसे उनके साथे सहभागिता करत आउर उनके एक मित्र के रूप में जानत, रउआ के जरूर ही उनके उपस्थिती में समय बितावे के चाहि। प्रार्थना करेसे वचन के अध्ययन करे से आउर पवित्र आत्मा के प्रोत्साहन आउर प्रेरणावन के आज्ञा के माने से, रउआ ए संबंध के या सकत हाई।

जब रउआ नया जनम पावत हई, तब रउआ परमेश्वर के आत्मा मे बपतिस्मा पावत हई। बपतिस्मा पावे के अर्थ हव कउनो वस्तु में पूरा तरह से डूबाबल। उदाहरण के खातिर रउआ रबड के एक गेंद के लेके पानी के एक बड़ा बर्तन में डुबा सकत हई, एह तरह से कि गेंद पूरा तरह से पानी में ढक जात हव। जब रउआ नया जनम पावत हई तब इह होत हव ओग गेंद के तरह रउआ पवित्र आत्मा में डुब जात हई।

पर रउआ जानत हई, पानी से गेंद के ढक जायल एक बात हव, आउर अंदर से पानी से भर जायल आउर एसे ढक भी जायल, पूरा तरह से दुसर बात हव। गेंद के भरे के खातिर एम्मे पानी के प्रवेश करे के खातिर एक रास्ता जरूर ही होवे के चाहि। दुसरे शब्द में गेंद के सामग्री के एम्मे बहरे से अनुमती जरूर ही देवे के चाहि। एही तरिका से, जब रउआ नया जनम पावत

हई, तब रउआ खुद के अंदर पवित्र आत्मा के जरूर ही गरहन करे के चाहि आउर उनके साथे भर जाये के चाहि।

फिर से, पवित्र आत्मा से भरल एक बार क अनुभव ना हव जवन की जीवनकाल में एक ही बार होत हव। एकरे बजाय, इ एक निरंतर, दैविय अनुभव हव (फिलिप्पियो ५:१८)। एकर संबंध उनके उपस्थिती के प्रति रउआ के चेतना आउर खुद के जीवन में उनके सेवकाई के नियमित रूप पहिचाने से हव। स्तुति, प्रार्थना वचन क अध्ययन आउर नियमित इस से उनके निर्देशन आउर प्रेरणावन क अनुसरन करे से जइसही रउआ उनके साथे अपने सहभागिता में बढ़त हई, वइसही रउआ नियमित रूप से पवित्र आत्मा से भर सकत हई। एह तरिका से, रउआ परमेश्वर के आत्मा से चलावल जा सकत हई।

अन्यभाषा में बोलल

जइसे की हम पहिले उल्लेख कइनी, पवित्र आत्मा परमेश्वर के संतान के अन्य भाषा वन में बोले के खातिर शब्द देत हव। एक चिन्ह जेके परमेश्वर कहन की उ विश्वासीयन में होई, उह हव उ अन्य भाषावन में बोलीहं (मरकुस १६:१७)।

इ एक आत्मिक आउर दैविय योग्यता हव, जेसे विश्वासी अपने आत्मा से परमेश्वर के साथे सीधे बात करत हव आउर इ रउआ के पवित्र आत्मा से एक उपहार के रूप में दिहल गइल रहल।

अन्यभाषावन में बोलल कुछ समय “आत्मा में प्रार्थना करल” कहावत हव। जब हमने अन्यभाषा में बोलत हई, तब हमने सीधे परमेश्वर से बात

करत हई (१ कुरिंथियो १४:४) आउर हमने के आत्मा क उन्नति होत हव
या बढ़जात हव (यहूदा १:२०)। हमने क आत्मा स्फुर्तिक होत हव आउर
ताजा होत हव (यशायाह ४०:३१)।

एक बार जब रउआ पवित्र आत्मा के गरहन कर लेत हई, तब रउआ
जब चाहे अन्यभाषावन में बोल लेत हई। उ रउआ से ना बोलत हव, पर उ
रउआ के बोले के योग्यता देत हव। एही से रउआ आगे जा सकत हई आउर
जब चाहे तब अन्य भाषावन में परमेश्वर से बात कर सकत हई।

जब रउआ अन्यभाषावन में बोले शुरु करत हई, तब रउआ अत्याधिक
निपूण बनात जात हई, जइसही रउआ एके एक नियमित अभ्यास बनावत हई।
इ एक छोट लड़िकन के तरह हव, जे जल्दीय में खुद के पहिले कुछ शब्दन
के बोलले हव। जेतना जादा उ बोले के अभ्यास करत हव, ओतनही जादा क
निपूण बनत जात हव। अन्य भाषावन में बोलले के साथे भी अइसही ही हव।
इ एक नई भाषा हव, आउर जबकि रउआ के एके सीखे के जरूरत ना हव
फिर भी, जइसही रउआ निरंतर बोलब, रउआ आउर जादा निपूण बन जाइब।
जइसही रउआ अन्य भाषावन मे अक्सर बोलत हई, इ रउआ के आत्मिक
विकास के बढ़ाई आउर रउआ के परमेश्वर के आत्मा के दुसरे उपहारन आउर
प्रत्यक्षिकरणन में ले जाई।

का रउआ के कलिसिया में जरूर जाये के चाहि ?

मत्ती १६:१८ में, यीशु उनके कलिसीया के बारे में बोलन, जवन की पृथ्वी पे उनकर शरीर हव, आउर कहन की उ एके बनइह आउर नरक के दरवाजा एकरे विरुध प्रबल ना होई। “काहेकि जउने परकार से देह त एक हव आउर ओकर अंग बहुत हव आउर ओ एक देह के सब अंग बहुत होवे पर भी सब मिलके एक ही देह हव, ओही परकार मसीह भी हव। काहेकि हमने यहूदी होवे का यूनानी का दास होवे का स्वतंत्र, एक ही आत्मा से क देह होवे के खातिर बपतिस्मा लेहनी आउर हमने सभे के एक ही आत्मा पियावत गइल हव। एहीसे की देह में एक ही अंग ना पर बहुत से हव” (१ कुर्निथियो १२:१२-१४)।

हमने शरीर हाई आउर मसीह सिर हवे। सब मसीह (नया जनमल) उनके शरीर के सदस्य हव, आउर एक दुसरन के (१ कुर्निथियो १२:२७)। आउर जइसही मानवीय शरीर के विभिन्न भाग अकेले में ही काम ना कर।

सकलन मसीह के विभिन्न सदस्य खुद ही प्रभावी रुप से काम ना कर सकतन। इ ए से हव काहेकि परमेश्वर कलिसिया के सदस्यन के विभिन्न वरदान आउर बुलाहट दिहले हव जेसे की पूरी कलिसीया के लाभ होवे (१ कुर्निथियो १२:१८-२४. इफिसियो ४:११-१२)।

कलिसिया में उपस्थित होवल एसे परमेश्वर के इच्छा के पालन कहल हव

आउर इ हमने के एक दुसरे के परमेश्वर के विभिन्न वरदानन ऐ आशीषित करे आउर बढ़ावे के योग्य करत हव चमत्कारन, चंगाई भविष्यवाणी इत्यादी। जबन वचन सिखावत जात हव रउआ ओकरे एक बेहतर समझ के पावे गवाहियन के सने आउर चमत्कारन के गवाही देवे के योग्य हो जात हाई एक साथे प्रार्थना करल आउर परमेश्वर के आराधना करल पवित्र आत्मा के जुड़ल अभिषेक के लियावत हव, एक विशेष रिती में जन समूह के हर सदस्य पे सेवकाई करत (इब्रानियो १०:२५, प्रेरितो के काम १:१४, भजन संहिता १३३:१-२)।

खुद ही परमेश्वर के वचन में चलल एक उच्च शिखरी काम हव, जब रउआ एक आत्मा से भरल। खलिसीया में उपस्थित ना होत हाई। जब कि अइसन एक कलिसीया में पूरा तरह से भाग लेवल रउआ के कलिसीया आउर एकरे सदस्यन के बारे में जादा जाने के योग्य बनावत हव। रउआ के खुद के आत्मा के (रउआ के आंतरिक मनुष्य) वयस्कता के खातिर विकसित करे के योग्य होत हव। इ रउआ के आसानी से वचन में चलावत। हव आउर जादा फलदाई बनावत हव।

एक मसीह के रूप में रउआ एक स्थानिय सभा में जरूर ही से जाये के चाहि, एक कलिसीया जेके आपन घर काही सकी आउर गतिविधियन में पूरा तरह से भाग ले सकी। ना ही त रउआ परमेश्वर के बहुत आशीवन से चुक जाइब आउर उनके वचन के साथे रेखा से बहरे चलत रहल।

अब जब रउआ नया जनमल हाई, त ए चेतना में चली की रउआ के हाई आउर सांतन के सभा के मत भुलाई (इब्रानियो १०:२५) कलिसीया में जाई।

बाइबल कहत हव की जइसही रउआ परमेश्वर के वचन के सुनत हाई विश्वास रउआ के लगे आवत हव । रउआ के आत्मिक विकास के खातिर हम निम्नलिखित संदेशन के सलाह देत हाई । इ संदेश रउआ के फलदाई आउर उत्पादक कइसे बने के हव एकरे खातिर रउआ बइसही करे के खातिर रउआ के हृदय में विश्वास के बढ़ावे के खातिर डिजाईन कइल गइल हव । ओके लेई । ओके सुनी वचन के काम पे रखी आउर अपने जीवन में एक बदलाव के देखी ।

१. अब रउआ नया जनमल हई
२. मसीहत के स्पष्ट करल
३. वचन में बढ़ल
४. वयस्कता के खातिर बढ़ल
५. अपने आत्मा के बनावल
६. आत्मा से भरल
७. वचन में विजय
८. मसीह में जीवन: नया सुपरमैन
९. मसीह में नया मनुष्य: नया परिचय

To contact the author write:
Pastor Chris Oyakhilome:

United Kingdom:

Unit C2, Thamesview Business Centre
Barlow Way, Rainham, RM13 8BT
Tel.: +44 (0)1708 556 604

South Africa:

303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Bram Fischer,
Randburg, Gauteng, South Africa.
Tel: +27-11-326 0971,
+27-11-326 0972

Nigeria:

Christ Embassy
Plot 97, Durumi District,
Abuja, Nigeria.

Nigeria:

Plot 22/23 Billings Way, Oregun,
Ikeja, Lagos.
Tel: +234-808 586 5700,
+234-817 198 7339
+234-802 478 9892-3

Please include your testimony or help received
from this book when you write. Your prayer
requests are also welcome.



Chris Oyakhilome, D.Sc., D.D., is the President of LoveWorld Inc. , a dynamic, multifaceted, global ministry. As a pastor, teacher, healing minister, television host, and best-selling author, Pastor Chris has a passion to reach the peoples of the world with God's presence—a divine commission he's fulfilled for more than 30 years and helped millions experience a victorious and purposeful life in God's Word.

He's a prolific writer, the author of "Rhapsody of Realities," the world's #1 daily devotional, distributed monthly around the world in over 3,700 languages, in 242 countries. He has also authored more than 30 other books.

Pastor Chris is the pioneer of an online prayer network (@PastorChrisLive on KingsChat) where Christians the world over are mobilized for prayer and intercession, and the host of "Atmosphere for Miracles," a programme that brings God's divine presence right into your home. The scope of his television ministry extends throughout the world with LoveWorld satellite television networks delivering qualitative Christian programming to a global audience.

The world-renowned Healing School is a ministry of Pastor Chris that manifests the healing works of Jesus Christ, and has helped many receive healing through the operation of the gifts of the Spirit.



ISBN 978-978-51521-0-4

